कार्यक्रम परियोजना रिपोर्ट(PPR)

(समाज विज्ञान विद्याशाखा)

एम. ए. मनोविज्ञान कार्यक्रम

कार्यक्रम के लक्ष्य और उद्देश्य (Programmer's mission & objectives)-उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम मुख्यतःराज्य एवं राष्ट्र के विकास एवं उन्नयन के लिए शिक्षित प्रशिक्षित मानव संसाधनों के विकास हेतु अग्रसर है। यह उन लोगों को मनोविज्ञान विषय की मुख्य धारा से जोड़ता है जो किसी कारणवश (जैसे – समयाभाव,निर्धारित आयु सीमा का समाप्त होना आदि) मनोविज्ञान की नियमित शिक्षा नही ले पाते एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने में असमर्थ है एम्. ए. मनोविज्ञान का यह पाठ्यक्रम विशेषकर उन वंचित समूहों (जैसे-महिलायें ,अनु.जाति, अनु. जनजाति,अल्पसंख्यक व निम्न आय वर्ग के लोग) को शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता करता है जो कि समाज में व्याप्त असामानता के कारण उच्च शिक्षा की मुख्य धारा से कटे हुए हैं | इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समय एवं स्थान की बाध्यता से मुक्त कर शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान करना है।

कार्यक्रम की प्रासंगिकता(Relevance of the program with HEI's Mission and Goals) वर्तमान में अनेक विद्यालयों, अस्पतालों, सेवा क्षेत्र के संगठनों और उद्योगों के साथ साथ स्वैच्छिक कल्याण एजेन्सियां और सुधार कार्य से जुड़े संस्थान मानव व्यवहार की विभिन्न प्रकार की समस्याओं का समाधान करने के लिए मनोवैज्ञानिकों की मांग कर रहे हैं जिस वजह से एम0 ए0 मनोविज्ञान की उपाधि की मांग बढ़ती जा रही है। प्रत्येक विद्यालय को समस्याग्रस्त बच्चों के साथ-साथ शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिये मनोवैज्ञानिकसलाहकार की आवश्यकता होती है। इसके अलावा अनेक पुनर्वास केन्द्रों की सम्पूर्ण देश में स्थापना की जा रही है ये केन्द्र मानसिक स्वास्थ्य और शारीरिक विकलांगता से जुड़े हुए हैं और अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन्हें तत्काल एम0 ए0 उपाधिधारक मनोवैज्ञानिकों की जरुरत है। मनोविज्ञान से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करने हेतु भीएम0 ए0 मनोविज्ञान एक आधार तैयार करने का कार्य करता है ।अत: इस आवश्यकता की पूर्ति एवम विभिन्न कारणों से उच्च शिक्षा से वंचित लोगों को कम लागत पर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने की उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को पुन: आरम्भ करने की बहुत आवश्यकता है।

लक्षित शिक्षार्थी समूह की प्रकृति (Nature of prospective target group of learners) यह कार्यक्रम विभिन्न लोगों, जैसे- नये स्नातक विद्यार्थियों, मनोविज्ञान में आगे शोध करने के इच्छुक, साथ ही साथ रोजगार प्राप्त करने के इच्छुक लोगों और पहले से कार्यरत मनोविज्ञान में आवश्यक शैक्षिक योग्यता न रखने वाले लोगों की आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होगा।

मुक्त एवमं दूरस्थ प्रणाली में विशिष्ट कौशल व योग्यता प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम कीउपयुक्ता(Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specificskills and competence)शिक्षार्थी मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर होने के उपरान्त उच्च शिक्षा में अपनी सेवाऐं देने के लिए तथा मनोविज्ञान के क्षेत्र में शोध के लिए न्यूनतम अर्हता अर्जित कर लेता है। मनोविज्ञान के अध्ययन के उपरान्त शिक्षार्थी मनोविज्ञान के सैद्धान्तिक पक्ष के साथ-साथ व्यवहारिक पक्ष का भी ज्ञान प्राप्त कर लेता है। एक कुशल मनोवैज्ञानिक के तौर पर समाज में अपनी सेवाऐं दे सकता है।

निर्देशात्मक संरचना (Instructional Design)मनोविज्ञानविषय में स्नात्कोत्तर स्तर पर कुल 4 सेमेस्टर केपाठ्यक्रम को खण्डों और इकाईयों में विभक्त किया गया है, जिसके लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिए 4 श्रेयांक (Credit)निश्चित किये गये हैं;तथा प्रत्येक सेमेस्टर में दो प्रश्न पत्र सम्मिलित है साथ ही द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में प्रायोगिक परीक्षा का 8 श्रेयांक का एक प्रश्नपत्र सम्मिलित है।अत: प्रत्येक शिक्षार्थी को स्नात्कोत्तरस्तरपर कुल 4 सेमेस्टर के पाठ्यक्रमके दौरान80 श्रेयांक (Credit) अर्जित करने होते है।स्नात्कोत्तर स्तर के प्रथम सेमेस्टरमें कुल चारप्रश्न-पत्र हैं- मनोवैज्ञानिक शोध विधियॉं, मनोवैज्ञानिकसांख्यिकी, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान:मनोभौतिकी एवं प्रत्याक्ष्नात्मक क्रियाएं, प्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान। द्वितीयसेमेस्टरमें कुल पांच प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से चारप्रश्न-पत्र शोध अभिकल्प एवं प्रदत्त संग्रह, मनोवैज्ञानिक मापन,संज्ञानात्मक मनोविज्ञान:बौद्धिक प्रक्रियाएं, उच्चतर सामाजिक मनोविज्ञानव पांचवा प्रश्न पत्र प्रयोगात्मक है। स्नात्कोत्तर स्तर के तृतीयसेमेस्टर में कुल चारप्रश्न-पत्र हैं– व्यक्तित्व के सिद्धांत, नैदानिक मनोविज्ञान के आधार, विकासात्मक मोविज्ञान- जीवनवृत्ति मोविज्ञान, निर्देशन एवं परामर्शन का परिचय मनोविज्ञान । चतुर्थसेमेस्टर में कुल पांच प्रश्न-पत्र हैं, जिनमें से चारप्रश्न-पत्र व्यक्तित्व के शील्गुन एवं मापन,मनोउपचारात्मक हस्तक्षेप , विकासात्मक मोविज्ञान- पूर्व वयस्कावस्था से वृद्धावस्था, निर्देशन एवं परामर्शन: हस्तक्षेप एवं मापन व पांचवा प्रश्न पत्र प्रयोगात्मक है।स्नात्कोत्तर स्तर पर मनोविज्ञान कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि दो वर्ष और अधिकतम छ: वर्ष है। मनोविज्ञान में विश्वविद्यालय स्तर पर स्वयं की अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। अध्ययन सामग्री को छात्रों तक किताबों के माध्यम के साथ-साथ आनलाईन, ऑडियो-विडियो के माध्यम से भी उपलब्ध कराया जाता है।

कार्यक्रम: एम. ए. मनोविज्ञान प्रथम वर्ष

मनोवैज्ञानिकशोधविधि (PsychologicalResearch Methodology) **एमएपीएसवाई-501(MAPSY-501)**

खण्ड1: **मनोवैज्ञानिकशोध:- अर्थ, स्वरूपएवंविषय- क्षेत्र**(Psychological Research: Meaning, Nature and Scope)

इकाई-1 मनोवैज्ञानिकशोधकाअर्थएवंविशेषताएँ (Meaning and Characteristics of Psychological Research)

इकाई-2 मनोवैज्ञानिकशोधकास्वरूपएवंविषय-क्षेत्र(Nature and Scope of Psychological Research)

इकाई-3 मनोवैज्ञानिकशोधकाऐतिहासिकपरिप्रेक्ष्य (Historical Perspective of Psychological Research)

खण्ड2: शोधसमस्याएवंउपकल्पना(Research Problem and Hypothesis)

इकाई-4 शोधसमस्याकीपरिभाषाएवंचयनकीकसौटियाँ (Definition and criteria of selecting a Research Problem)

इकाई-5 शोधउपकल्पना**:-**अर्थएवंप्रकार (Research Hypothesis:- Meaning and types)

इकाई-6 उपकल्पनाकेस्त्रोतएवंएकअच्छीउपकल्पनाकीविशेषताएँ (Sources of hypothesis, Characteristics of a Good Research Hypothesis)

खण्ड: चरएवंउनकामापन (Variables and their measurement)

इकाई-7 चरकाअर्थएवंप्रकार (Meaning and Types of Variables)

इकाई-8 चरोंकानियंत्रण (Control of Variables)

इकाई-9 मनोवैज्ञानिकपरीक्षणोंकास्वरूपएवंप्रकार (Nature and Types of Psychological Tests)

खण्ड4: प्रतिदर्शनप्रक्रियाएवंप्रविधियाँ (Process of Sampling and its Technique)

इकाई-10 प्रतिदर्शकाअर्थ**,** एकअच्छेप्रतिदर्शकीविशेषता**,** प्रतिदर्शआकारएवंप्रतिदर्शकीविश्वसनीयता (Meaning, characteristics, size and reliability of a good sample)

इकाई-11 संभाव्यताप्रतिदर्शन**:-** सरलएवंस्तरीकृतयादृच्छिकप्रतिदर्शन(Probability Sampling - Simple and Stratified Random Sampling)

इकाई-12 गैरसंभाव्यताप्रतिदर्शन**:-**प्रासांगिक**,**कोटाएवंहिमकन्दुप्रतिदर्शन (Non-Probability Sampling:- Incidental, Quota and Snow Ball sampling)

Suggested Reading:

1. सिंहअरुणकुमार,(2001) उच्चतरमनोविज्ञान,पटना,भारतीभवन,पब्लिशर्सएंडडिस्ट्रिब्यूटर
2. Wiersma, W., & Jurs, S.G.(2009) Research Methods in Education: An Introduction. New Delhi: Pearson Publication.
3. शर्मा, आर.ए. (1995) : शिक्षा अनुसंधान, मेरठइंटरनेशनलपब्लिशिंगहाउस, मेरठ
4. सुखियाएस.पी.महरोत्रा, पी. पी. महरोत्राआर.एन. (1973): शैक्षिकअनुसंधानकेमूलतत्वविनोदपुस्तकमंदिरआगरा|
5. सिद्दुकेएस.(1985): मेथड्सऑफरिसर्चइनएजुकेशन, नईदिल्ली, स्टर्लिंगपब्लिशर्स
6. शर्मा, अरविंदकुमार (2008) : शोधविधियांएवमसूचनाप्रौद्योगिकीएसएसपब्लिकेशन

मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी (Psychological statistics)
एमएपीएसवाई-502(MAPSY-502)

खण्ड 1: ्यकी संप्रत्यय (Statistical Concept)

इकाई-1 सांख्यिकी:- अर्थ, उपयोग एवं मनोवैज्ञानिक मापन में सांख्यिकी का महत्व (Statistics:- Meaning, Uses and its Significance in Psychological Measurement)

इकाई-2 विवरणात्मक सांख्यिकी तथा उसके उपयोग (Descriptive Statistics and its uses)

इकाई-3 अनुमानात्मक सांख्यिकी तथा उसके उपयोग, विवरणात्मक व अनुमानात्मक सांख्यिकी में अन्तर (Inferential Statistics and its Uses; Difference Between Descriptive and Inferential Statistics)

खण्ड 2: **मान्य संभाव्यता वक्र(Normal Probability Curve)**

इकाई-4 सामान्य सम्भाव्यता वक्र की प्रकृति तथा विशेषताएँ (Nature and Characteristics of Normal Probability Curve)

इकाई-5 सामान्य सम्भाव्यता वक्र के अनुप्रयोग (Applications of Normal Probability Curve)

इकाई-6 सामान्यता से विचलन- विषमता एवम ककुदता (Deviation from normality-Skewness and Kurtosis)

खण्ड 3: **सहसंबंध विधियाँ (Correlation Methods)**

इकाई-7 सहसम्बन्ध गुणांक:- अर्थ, महत्व और विधियाँ (गुणन आघूर्ण एवं क्रम अन्तर) (Correlation Coefficient:- Meaning, Importance and Methods (Product Moment and Rank Difference)

इकाई-8 द्विपांक्तिक सहसम्बन्ध गुणांक, बिन्दु द्विपांक्तिक सहसम्बन्ध एवम आसंग गुणांक (Bi-serial correlation, Point Bi-serial Correlation coefficient and Contingency Coefficient)

खण्ड 4: उपकल्पना परीक्षण की सांख्यिकीय प्रविधियाँ(Statistical Techniques of Hypothesis Testing)

इकाई-9 क्रान्तिक अनुपात, टी परीक्षण एवं प्रसरण-विश्लेषण((Critical Ratio, '*t*' test and Analysis of Variance) (One way and two way)

इकाई-10 काई-वर्ग एवं मध्यांक परीक्षण (Chi-Square and Median Test)

इकाई-11 सार्थकता स्तर, स्वतन्त्रता के अंश तथा प्रथम एवं द्वितीय प्रकार की त्रुटि (Level of Significance, Degree of Freedom and Type I & Type II Error)

Suggested Reading:

1. गुप्ता, एस०पी० (2008) : मापन एवं मूल्यांकन , इलाहाबाद, शारदा पब्लिकेशन
2. सिंह, ए.के. (2007): मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियॉ, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली
3. Garret, H.E. (1972). Statistics in Psychology and Education, New York, Vakils, Feffers and Simans Pvt. Ltd.
4. Tuckman Bruce W. (1978). Conducting Educational Research New York : Harcout Bruce Jovonovich Inc.
5. Anastasi, Anne (1998): psychological testing (6th Edition.) London : Macmilan Publishing Company.

संज्ञानात्मक मनोविज्ञान: **मनोभौतिकी एवं प्रत्यक्षात्मक प्रक्रियायें** (**Cognitive Psychology: Psychophysics and Perceptual processes)**

एमएपीएसवाई-503 (MAPSY-503)

खण्ड 1: **संज्ञानात्मक मनोविज्ञान**:- **स्वरूप एवं विषय-क्षेत्र(Cognitive Psychology:- Nature and Scope)**

इकाई-1 संज्ञानात्मक मनोविज्ञान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि(Historical perspective of Cognitive Psychology)

इकाई-2 संज्ञानात्मकमनोविज्ञान का विषय-क्षेत्र(Scope of Cognitive Psychology)

इकाई-3 ज्ञानात्मक मनोविज्ञान की विधियाँ (Methods of Cognitive Psychology)

खण्ड 2: **मनोभौतिकी** (**Psychophysics)**

इकाई-4 मनोभौतिकी का अर्थ**;** बेवर एवं फेकनर का नियम(Meaning of Psychophysics; Law of Weber and Fechner)

इकाई-5 देहली या अवसीमा का संप्रत्य एवं सैद्धान्तिक दृष्टिकोण (Concept and Theoretical View of Threshold)

इकाई-6 अवसीमा का प्राचीन (संकेत संज्ञान)सिद्धान्त(Classical (Signal Detection) Theory of Threshold)

इकाई-7 मनोभौतिकी विधियाँ:- प्राचीन व आधुनिक (Psychophysical Methods:- Classical and Modern)

खण्ड 3: **अवधान एवं प्रत्यक्षण प्रक्रियाएँ(Attention and Perceptual Processes)**

इकाई-8 अवधान:- स्वरूप, प्रकार,सिद्धान्त; अवधान में भंग एवं परिवर्तन(Attention:- Nature, Types and Theories; Shift and distraction in attention)

इकाई-9 प्रत्यक्षीकरण:- स्वरूप, सिद्धान्त(आकार एवं पृष्ठभूमि) एवं इसको प्रभावित करने वाले कारक (Perception:- Nature, Theory (Figure and Background) and its Influencing Factors)

इकाई-10 गहराई प्रत्यक्षीकरण,प्रतिरूप प्रत्याभिज्ञान,प्रत्यक्षात्मक स्थिरता:- चमकीलापन, आकार एवं रूप (Depth Perception, Pattern Recognition and Perceptual Constancy:- Brightness, Size and Shape)

इकाई-11 भ्रम एवं उसके सिद्धान्त (Illusion and its Theories)

Suggested Reading:

1. सिंह अरुण कुमार,(2006)**संज्ञानात्मक**मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली,
2. Edward & Stephen (2011)] Cognitive Psychology,. PH. Learding private ltd. New Delhi.
3. Robert A Baron (2004) " Psychology, Fifth Edition, Pearson Education, New Delhi
4. Robert L. Solser (2005) " Cognitive Psychology, Sixth Edition, Pearson Education Delhi
5. Smith, E.E. &Kosslyn, (2007). Cognitive psychology: Mind and brain. Prentice Hall.

व्यावहारिक सामाजिक मनोविज्ञान (एमएपीएसवाई-504)
Applied Social Psychology (MAPSY-504)

खण्ड 1: **सामाजिक व्यवहार के नियम (Principles of Social Behavior)**

इकाई-1 सामाजिक व्यवहार का अवबोधन-अनुकरण,सुझाव एवं सहानुभूति (Understanding of Social Behavior-Imitation, Suggestion and Sympathy)

इकाई-2 सामाजिक मनोविज्ञान का स्वरूप,विषय-क्षेत्र एवं सार्थकता (Nature, Scope and Significance of Social Psychology)

इकाई-3 सामाजिक व्यवहार की अध्ययन विधियाँ- अवलोकन, सर्वेक्षण, व्यक्ति अध्ययन, समाजमिति एवं प्रयोगात्मक (Approaches of Social Behavior:- Observation, Survey, Case study, Sociometry and Experimental)

खण्ड 2: **भिवृत्ति एवं उसका मापन (Attitude and its Measurement)**

इकाई-4 अभिवृत्ति का अर्थ, स्वरूप एवं अवयव(Meaning, Nature and Components of Attitude)

इकाई-5 अभिवृत्ति का विकास एवं उसका मापन(Development of attitude and its Measurement)

इकाई-6 अभिवृत्ति परिवर्तन के सिद्धान्त एवं कारक (Theories and Factors of Attitude Change)

खण्ड 3: **समूह गतिकी (Group Dynamics)**

इकाई-7 समूह का अर्थ, प्रकार, संरचना एवं कार्य(Meaning, Types, Structure and Functions of Group)

इकाई-8 समूह प्रभावकता व समूह समग्रता:- आशय एवं निर्धारक तत्व (Group Effectiveness and Group Cohesiveness:- Meaning and Determinates)

इकाई-9 सामाजिक सरलीकरण,जन-संकलन,सामाजिक श्रमावनयन,अवैयक्तिकरण (Social Facilitation, Crowding, Social Loafing, Deindividualization)

Suggested Reading:

1. चौबे, एस. पी. (2002). *आधुनिक समाज*मनोविज्ञानके *मूल तत्व*नई दिल्ली: कासंसेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।
2. शर्मा, आर. एन. एवं शर्मा, रचना (2004). *एडवासंड एपलायड सायकोलोजी*, नई दिल्ली अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स।
3. सुलेमान, एम. (2007). *समाज*मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली,
4. Rege, Sharmaila, Sociology of gender, Sage Publication india Pvt. Ltd., New Delhi, 2003
5. Bhende, Asha and Kanitkar, Principles of Population studies, Himalaya Publishing house, Mumbai, 2011

अनुसंधान डिज़ाइन और तथ्य विश्लेषण(Research Design and data interpretation)
एमएपीएसवाई-505(MAPSY-505)

खण्ड 1: **मनोवैज्ञानिक शोध के प्रकार(Types of Psychological Research)**

इकाई-1 एवं अनुप्रयुक्त शोध(Fundamental and Applied Research)

इकाई-2 ाक एवं सह-संबंधात्मक शोध(Experimental and Correlation of Research)

इकाई-3 एक्स-पोस्ट फैक्टोशोध(Ex-post facto Research)

खण्ड 2: शोध अभिकल्प एवं रणनीति (Research Design and its Strategies)

इकाई-4 शोध अभिकल्प का अर्थ एवं उद्देश्य (Meaning and purpose of Research Design)

इकाई-**5** शोध अभिकल्प के प्रकार:- अन्तःसमूह,अन्तर समूह एवं कारकीय अभिकल्प (Types of Research Design: Within Group, Between Group and Factorial design)

इकाई-**6** प्रदत्त संग्रहण की प्रविधियाँ-अवलोकन,प्रश्नावली,साक्षात्कार,श्रेणी मूल्यांकन,चिह्नांकन-सूची,एवम समाजमिति (Technique of Data Collection: Observation, Questionnaires, Interview, Rating Scales, Check List and Sociometry)

खण्ड 3. Qualitative Research in Psychology (मनोविज्ञान में गुणात्मक अनुसंधान)

इकाई-**7** नृवंशविज्ञान सहित परिचय (Introduction including ethnography)

इकाई-**8** आधारभूत सिद्धांत(Grounded theory)

इकाई-**9** प्रवचन विश्लेषण(सामग्री कथा)Discourse analysis (content narrative)

इकाई-**10** गुणवत्ता अनुसंधान की रिपोर्टिंग और मूल्यांकन (Reporting and evaluating qualitative research)

खण्ड 4: प्रतिवेदन लेखन (Report Writing)

इकाई-**11** शोध प्रस्ताव की तैयारी (Preparation of Research Proposal)

इकाई-**12** शोध प्रतिवेदन लेखन(Writing a Research Report)

इकाई-**13** मनोवैज्ञानिक शोध में नैतिक मुद्दे एवम सिद्धांत(Ethical issues and principal in psychological research)

Suggested Reading:

1. सिंह अरुण कुमार,(2001) उच्चतर मनोविज्ञान,पटना ,भारती भवन,पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर
2. Wiersma, W.,& Jurs, S.G.(2009) Research Methods in Education: An
3. Introduction. New Delhi: Pearson Publication.
4. शर्मा, आर.ए. (1995) : शिक्षा अनुसंधान, मेरठ इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
5. सुखिया एस.पी.महरोत्रा, पी. पी. महरोत्रा आर.एन. (1973) :शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |

मनोवैज्ञानिक मापन **(एमएपीएसवाई-506)**
Psychological measurement **(MAPSY-506)**

खण्ड1: मनोवैज्ञानिक मापन का स्वरूप(Nature of Psychological Measurement)

इकाई-1 मापन:- अर्थ एवं उद्देश्य; मूल्यांकन एवं मापन में अन्तर (Measurement:- Meaning and Objectives; Difference between Evaluation and Measurement**)**

इकाई-2 एवं मात्रात्मक मापन (Qualitative and Quantitative Measurement)

इकाई-3 मनोवैज्ञानिक मापन के विभिन्न स्तर (शाब्दिक स्तर, क्रमिक स्तर, अंतराल स्तर एवं अनुपात स्तर) (Different Levels of Psychological Measurement (Nominal, Ordinal, Ratio and Internal)

खण्ड 2: परीक्षण निर्माण(Test Construction)

इकाई-4 परीक्षण निर्माण के चरण:- पद का लेखन, चयन एवं विश्लेषण (Steps of Test Construction:- Writing, Selection and Analysis of Item)

इकाई-5 पदों का कठिनता स्तर एवं विभेदन शक्ति (Difficulty Level and Discrimination Power of Items)

खण्ड 3: परीक्षण की विश्वसनीयता एवं वैद्यता (Reliability and Validity of Test)

इकाई-6 विश्वसनीयता: अर्थ एवं प्रकार (Reliability: Meaning and Types)

इकाई-7 परीक्षण की विश्वसनीयता ज्ञात करने की विधियाँ (Methods to Estimate the Reliability of Test)

इकाई-8 वैधता: अर्थ एवं प्रकार (Validity: Meaning and Types)

इकाई-9 परीक्षण की वैधता ज्ञात करने की विधियाँ (Methods of Estimate the Validity of Test)

खण्ड 4: मानकीकरण(Standardization of Test)

इकाई-10 परीक्षण मानकीकरण:- अर्थ, महत्व एवं विशेषताएँ (Standardizing Tests: Meaning, Significance and Characteristics)

इकाई-11 ाप्तांकों के प्रकार एवं उपयोग (Types and Uses of Standard Scores)

इकाई-12 विकास की कसौटियाँ (Criteria for Development of Norms)

इकाई-13 कम्प्यूटर विश्लेषण- एसपीएसएस (Computer analysis data (SPSS)

Suggested Reading:

1. गुप्ता, एस०पी० (2008) : मापन एवं मूल्यांकन , इलाहाबाद, शारदा पब्लिकेशन
2. सिंह, ए.के. (2007): मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियॉ, मोतीलाल बनारसी दास, नईदिल्ली
3. Garret, H.E. (1972). Statistics in Psychology and Education, New York, Vakils, Feffers and Simans Pvt. Ltd.
4. Tuckman Bruce W. (1978). Conducting Educational Research New York : Harcout Bruce Jovonovich Inc.
5. Anastasi, Anne (1998): psychological testing (6th Edition.) London : Macmilan Publishing Company.

संज्ञानात्मक मनोविज्ञान: बौद्धिक प्रक्रियायें (Cognitive Psychology: Intellectual processes)
एमएपीएसवाई-507(MAPSY-507)

खण्ड 1: अधिगम एवं स्मृति(Learning and Memory)

इकाई-1 अधिगम का स्वरूप एवं प्रकार, वाचिक अधिगम की विधियाँ(Nature and Types of Learning, Methods of Verbal Learning)

इकाई-2 प्राचीन एवं नैमित्तिक अनुबंधन,सीखने के सिद्धान्त:- हल,टॉलमैन एवं गथरी (Classical and Instrumental Conditioning, Theory of Learning:- Hull, Toll man and Guthrie)

इकाई-3 स्मृति के प्रकार- अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन स्मृति(अर्थगत एवं प्रासंगिक स्मृति) (Types of Memory- Short term and Long term memory (Episodic and Semantic memory)

इकाई-4 अवरोध एवं उसके सिद्धान्त (Retroactive Inhibition and its theories)

खण्ड 2: ातन एवं समस्या समाधान (Thinking and Problem Solving)

इकाई-**5** चिन्तन का स्वरूप एवं प्रकार; चिन्तन में मानसिक वृति की भूमिका,भाषा एवं चिन्तन (Nature and Types of Thinking; Role of Set in Thinking, Language and Thinking)

इकाई-**6** सिद्धान्त (Theories of Thinking)

इकाई-**7** निगमनात्मक एवं आगमनात्मक तर्कना, समस्या समाधान के उपागम एवं चरण,कक्षा-कक्ष समस्या समाधान (Deductive and Inductive Reasoning, Approaches and Steps of Problem Solving, Classroom Problem Solving)

खण्ड 3: बौद्धिकप्रक्रियाएँ (Intellectual Process)

इकाई-**8** बुद्धि का स्वरूप एवं सिद्धान्त,मानसिक आयु का सम्प्रत्यय एवं बुद्धि लब्धि (Nature and Theories of Intelligence, Concept of Mental Age and Intelligence Quotient (IQ))

इकाई-**9** संवेग का स्वरूप एवं सिद्धान्त,संवेग में होने वाले शारीरिक परिवर्तन,सांवेगिक बुद्धि (Nature and Theories of Emotion, Physical changes in Emotion, Emotional Intelligence)

इकाई-**10** उत्तेजना एवं समस्थिति,अर्न्तनोद- ह्रास सिद्धान्त,अर्जित निस्सहायता (Arousal and Homeostasis, Drive Reduction Theory, Learned Helplessness)

इकाई-**11** कृत्रिम बुद्धि और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण: बुद्धिमान मशीनों के डिजाइन का नीचे और ऊपरी की ओर दृष्टिकोण, कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के लक्षण, ज्ञान का मशीनी प्रतिनिधित्व, मशीनी तर्क: मशीन के तर्कसंगत तर्क और निर्णयन।
(Artificial intelligence and computational approaches**:** Bottom up and top down approaches to the design of intelligent machines, Characteristics of artificial neural networks, Machine representation of knowledge, Machine reasoning: Logical reasoning and decision making by machines.)

Suggested Reading:

1. सिंह अरुण कुमार,(2006) संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली,
2. Edward & Stephen (2011)] Cognitive Psychology,. PH. Learding private ltd. New Delhi.
3. Robert A Baron (2004) " Psychology, Fifth Edition, Pearson Education, New Delhi
4. Robert L. Solser (2005) " Cognitive Psychology, Sixth Edition, Pearson Education Delhi
5. Singh, A. K. (2009). Uchachtar Samanya Manovigyan. Varanasi: Motilal Banarasi Das.

उच्चतर सामाजिक मनोविज्ञान(Advanced Social Psychology)
एमएपीएसवाई-508(MAPSY-508)

खण्ड 1:पूर्वाग्रह, विभेद एवं साम्प्रदायिकता (Prejudice, Discrimination and Communalism)
इकाई-1 पूर्वाग्रह का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार(Meaning, Characteristics and Types of Prejudice)
इकाई-2 पूर्वाग्रह के कारण; पूर्वाग्रह, विभेद एवं रूढ़ियुक्ति में अंतर(Causes of Prejudice; Difference between Prejudice, Discrimination and Stereotype)
इकाई-3 पूर्वाग्रह दूर करने की विधियाँ, भारत में साम्प्रदायिकता (Methods of reducing prejudice, Communalism in India)

खण्ड 2: संस्कृति एवं व्यक्तित्व (Culture and Personality)
इकाई-4 संस्कृति का अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार (Meaning, Characteristics and Types of Culture
इकाई-5 संस्कृति एवं व्यक्तित्व में सम्बन्ध,व्यक्तित्व विकास पर संस्कृति का प्रभाव (Relationship between Culture and Personality, Effects of culture on Personality Development)
इकाई-6 राष्ट्रीय चरित्र:- अर्थ एवं सिद्धान्त (National Character:- Meaning and Theory)
इकाई-7 नेतृत्व का अर्थ,स्वरूप,उत्पत्ति एवंविशेषता;सत्तावादी एवं प्रजातांत्रिक नेतृत्व में अन्तर(Meaning, Nature, Origin and Traits of Leadership; Difference between Authoritarian and Democratic Leader)

खण्ड 3: सामाजिक समस्याएँ (Social Problems)
इकाई-8 सामाजिक समस्याएँ एवम सामाजिक परिवर्तन: अर्थ, विशेषताएँ एवं प्रकार (Social problem and Social change: Meaning, Characteristics and Types)
इकाई-9 निरक्षरता,गरीबी एवं बेरोजगारी (Illiteracy, Poverty and Unemployment)
इकाई-10 जनसंख्या विस्फोट, लैंगिक पक्षपात,आधुनिकीकरण एवं शहरीकरण (Population Explosion, Gender Biasness, Modernization and Urbanization)
इकाई-11 सामाजिक शोषण,बाल-श्रम,सामाजिक एवं घरेलू हिंसा,कार्यस्थलीय शोषण,सामाजिक समस्याओं के विभिन्न समाधान (Social Exploitation, Child Labor, Social and Domestic Violence, Workplace Exploitation, Various solutions of Social Problems)
इकाई-12 सीमांतता एवम सामाजिक पीडा, विभिन्न सांस्कृतिक और सामाजिक-राजनीतिक संदर्भों में भलाई /कल्याण और आत्म-विकास की सुविधा प्रदान करना (Marginalization and social suffering; facilitating wellbeing and self-growth in diverse cultural and socio-political contexts)

Suggested Reading:

1. चौबे, एस. पी. (2002). *आधुनिक समाज*मनोविज्ञान*के मूल तत्व*नई दिल्ली: कासंसेप्ट पब्लिशिंग कंपनी।
2. शर्मा, आर. एन. एवं शर्मा, रचना (2004). *एडवासंड एपलायड सायकोलोजी*, नई दिल्ली अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स।
3. सुलेमान, एम. (2007). *समाज*मनोविज्ञान*,* मोतीलाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली,
4. Rege, Sharmaila, Sociology of gender, Sage Publication india Pvt. Ltd., New Delhi, 2003
5. Bhende, Asha and Kanitkar, Principles of Population studies, Himalaya Publishing house, Mumbai, 2011

प्रयोगात्मककार्य **(एमएपीएसवाई-509)**
Practical Work- **(MAPSY-509)**

निम्नलिखित में से कोई भी सात (परीक्षण/ प्रयोग) प्रत्येक समूह से कम- से - कम तीन प्रत्येक छात्र द्वारा संचालित / प्रशासित किए जाने हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा में प्रत्येक छात्र को एक परीक्षण और एक प्रयोग दिया जाएगा। मूल्यांकन रिपोर्ट, प्रदर्शन और मौखिकी पर आधारित होगा तथा बाहरी और आंतरिक परीक्षक द्वारा अंक संयुक्त रूप से प्रदान किए जाएंगे।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण (Psychological Test)

1. बुद्धि परीक्षण: शाब्दिक बुद्धि परीक्षण (Intelligence Testing: Verbal Intelligence Test
2. निष्पादन बुद्धि परीक्षण (Performance Intelligence Test
3. व्यक्तित्व परीक्षण: व्यक्तित्व का प्रक्षेपी परीक्षण(Personality Testing: Projective test of Personality
4. व्यक्तित्व का वस्तुनिष्ठ परीक्षण (Objective Test of Personality
5. संवेगात्मक बुद्धि मापनी (Emotional Intelligence Scale
6. समायोजन आविष्कारिका (Adjustment Inventory)
7. अहम पहचान पैमाना(Ego Identity Scale)

मनोवैज्ञानिक प्रयोग (Psychological Experiment)

1. शाब्दिक अधिगम(Verbal Learning)
2. मूलर लॉयर भ्रम (Muller Lyre Illusion)
3. भूलभुलैया सीखना / प्रतिस्थापन सीखना (Maze Learning / Substitution Learning)
4. वेबर के नियम का सत्यापन (Verification of Weber's Law)
5. प्रतिक्रिया काल - सरल और जटिल (Reaction time- Simple and Complex)
6. अवरोध (पृष्ठोन्मुख एवम अग्रोन्मुख) Inhibition (Retroactive and Proactive)
7. तात्कालिक स्मृति विस्तार (Immediate Memory Span (Dots/ digits / letters)

Suggested Reading:

1. सिंह, आर.एन.,आधुनिक प्रयोगात्मक मनोविज्ञान, आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन
2. Hull Coffer, R.C. (1995) Human Experimental psychology. New York: Holt Rhinehart
3. Experimental Psychology: Robert S.Woodworth & Harold Schlosberg
4. Experiments in Psychology: S.M. Mohsin

व्यक्तित्वके सिद्धान्त (Theories of Personality)
एमएपीएसवाई-601 (MAPSY-601)

खण्ड 1 : परिचय (Introduction)

इकाई1. व्यक्तित्व:- परिभाषा, प्रकृति, उत्पत्ति एवं विशेषताएँ; व्यक्तित्व के सिद्धान्त : प्रकार एवं शीलगुण (Personality:- Definition, Nature, Origin and Characteristics; Theory of Personality: Types and Trait)

इकाई 2. व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व विकासकी अवधारणा; व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक (Concept of Personality andPersonality Development; Factorsaffecting Personality)

इकाई 3. व्यक्तित्व का मूल्यांकन; व्यक्तित्व परीक्षण और इसके महत्वपूर्ण मुद्दे (Assessment of Personality; PersonalityTest and Its Key Issues)

खण्ड 2 : व्यक्तित्व के सिद्धान्त (Theories of Personality-I)

इकाई 4. व्यक्तित्व के मनोगत्यात्मक सिद्धान्त:- फ्रायड, एरिकसन, होरने, सुलिवन (Psychodynamic Theory of Personality:- Freud, Erikson, Horney and Sullyvan)

इकाई 5. व्यक्तित्व के सामाजिक मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त (अल्फ्रेड एडलर, एरिक फ्रोम, करेन हॉर्नी), बैंडुरा का व्यक्तित्व का सामाजिक संज्ञानात्मक सिद्धान्त (Social Psychological Theory of Personality (Alfred Adler, Eric Fromm, Karen Horney), Bandura Social Cognitive Theory of Personality)

इकाई 6. व्यक्तित्व के अधिगम सिद्धान्त (पैवलोव एवं स्कीनर), मानवतावादी एवं स्व सिद्धान्त (मेसलो, रोजर्स) (Learning Theory of Personality (Pavlov and Skinner), Humanistic and Self Theory (Maslow, Rogers))

इकाई 7. व्यक्तित्व का डोलार्ड एवं मिलर सिद्धान्त (Dollard and Miller Theory of Personality)

Suggested Reading:

1. आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान आर एन सिंह, अंजुम कुरेशी, शोभा भारद्वाज, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा
2. सिंह, अरुण कुमार, व्यक्तित्व का मनोविज्ञान मोतीलालबनारसीदास,नईदिल्ली,
3. Allport, G.W. : Personality; Psychological Interpretation, New York, Henary Hall, 1937

4. Sheldon J. Korchin (2004). Modern clinical Psychology, Principles and Intervention in the clinic and community. CBS Publishers and Distributors Pvt. Ltd.
5. Frager, R. & Fadiman, J. (2005). Personality and Personal Growth. 6th Edition, Prentice Hall.
6. Personal
7. ity Development – C. I. Kundu, Sterling Publishers Pvt. Ltd.

नैदानिक मनोविज्ञान एवं मनोविकृति विज्ञान(Clinical Psychology andPsychopathology)

एमएपीएसवाई-602(MAPSY-602)

खण्ड 1: नैदानिक मनोविज्ञान (Foundations of Clinical Psychology)

इकाई**1.**नैदानिक मनोविज्ञान: प्रकृति एवं विकास, नैदानिक मनोवैज्ञानिक की गतिविधियाँ, नैदानिक मनोविज्ञान एवं अन्य संबंधित क्षेत्र, असामान्य एवं नैदानिक मनोविज्ञान में अन्तर(Clinical Psychology: Nature and development, Activities of Clinical Psychologists, Clinical Psychology and other related fields, Difference between Abnormal and Clinical psychology)

इकाई**2.** व्यावसायिक प्रशिक्षण, विनियमन एवं नैतिक नियम(Professional Training, Regulation and Professional Ethics)

इकाई**3.**नैदानिक मनोविज्ञान एवं नैदानिक मूल्यांकन की अध्ययन विधियाँ:- साक्षात्कार, व्यक्ति इतिहास विधि एवं मानसिक स्थिति का परीक्षण (Study Methods of Clinical Psychology and Clinical Assessment:- Interview, Case History and Mental Status Examine)

खण्ड 2: निदान एवं उपचार (Diagnosis and Treatment)

इकाई**4.**निदान : अर्थ एवं वर्गीकरण का उद्देश्य; DSM-IV:विकृति या असामान्यता का वर्गीकरण(Diagnosis: Meaning and Purpose of Classification; DSM-IV: Classification of Abnormality)

इकाई**5.**मनोचिकित्सा: अर्थ एवं प्रकृति, हस्तक्षेप के मॉडल एवं मनोविश्लेषणात्मक चिकित्सा(Psychotherapy: Meaning and Nature, Models of Intervention and Psychoanalytic Therapy)

इकाई**6.** व्यवहार चिकित्सा: क्रमबद्ध असंवेदीकरण, संज्ञानात्मक-व्यवहार, रोगी-केन्द्रित, गेस्टाल्ट एवं अस्तित्ववादी चिकित्सा(Behavior Therapy: Systematic Desensitization, Cognitive Behavior, Client-Centered, Gestalt and Existential Therapy)

खण्ड 3: मनोविकृति – विज्ञान (Psychopathology)

इकाई**7.**चिंता विकृतियाँ:- भीषिका, दुर्भीति, सामान्यीकृत चिंता; मनोग्रस्तता-बाध्यता एवं उत्तर आघातीय तनाव विकृति (Anxiety Disorder:-Panic and Phobias, Generalized Anxiety disorder; Obsessive Compulsive Disorder and Posttraumatic Stress disorder)

इकाई**8.**मनोविदलता: अर्थ, लक्षण एवं प्रकार; स्थिर-व्यामोही विकृतियाँ एवं व्यामोही विकृतियाँ, स्थिर-व्यामोह के लक्षण, हेतुकी एवं उपचार(Schizophrenia: Meaning and Symptoms and Types; Paranoid and Delusional Disorders:- Symptoms, Etiology and Treatment)

इकाई**9.**व्यक्तित्व विकृतियाँ : अर्थ, स्वरूप, प्रकार, कारक एवं उपचार(Personality Disorders:- Meaning, Nature, Types, Factors and Treatment)

Suggested Reading:

1. Goldenberg, H. (1983). Contemporary clinical psychology (2nd Ed.) New York: Brooks & Cole.
2. Morrison, J. (2007). Diagnosis made easier. NY: Guilford Press.
3. Neitzel, M. T., Bernstein, D. A., &Millich, R. (1998). Introduction to clinical psychology. (5th Ed.). Upper Saddle River, N. J.: Prentice Hall.
4. Pridmore, S. (2000). The psychiatric interview: A guide to history taking and mental status examination. Amesterdam: Taylor & Francis.
5. Trull, T. J. &Prinstein, M.J. (2013). Clinical Psychology (8th Ed.). Wadswoth, Cengage Learning.

विकासात्मक मनोविज्ञान: जीवन विकास मनोविज्ञान (Developmental Psychology: life span Psychology)

एमएपीएसवाई-603(MAPSY-603)

खण्ड 1: जीवन विकास : परिचय (Life Span Development: Introduction)

इकाई**1**. जीवन विकास: परिभाषा, संकल्पना, सिद्धान्त एवं विशेषताएँ, अभिवृद्धि एवं विकास में अंतर(Life Span Development: Definition, Concept, Principles and Characteristics, Difference between Growth and Development)

इकाई**2**.मानव विकास के सिद्धान्त : मनोविश्लेषणात्मक(फ्राइड एवं इरिकसन), मानवतावादी (मेस्लो एवं रोजर्स)और व्यवहारवादी (पॉवलव एवं स्किनर)(Theories of Human development: Psychoanalytic (Freud & Erickson), Humanistic (Maslow & Rogers) and Behavioristic (Pavlov & Skinner)

इकाई**3.**प्रसवकालीनविकास: प्रसवकालीन, प्रसूति-पूर्व एवं प्रसव के बाद का विकास (Perinatal development: Prenatal, Antenatal and Postnatal Development)

खण्ड 2:पूर्व एवं उत्तर बाल्यावस्था के दौरान विकास(Development during Early and late Childhood)

इकाई**4**.शारीरिक, क्रियात्मक एवं मनोसामाजिक विकास(Physical, Motor and Psycho-Social Development)

इकाई**5**.प्रत्यक्षात्मक विकास, भाषा विकास एवं वाणी विकासएवं संज्ञानात्मक विकास (Perceptual Development, Language &Speech Development, Cognitive Development)

इकाई**6.**प्रारम्भिक वर्षों में सम्बंध - संलग्नता सिद्धांतएवंबच्चे के पालन का अभ्यास(Relationship in Early years: Attachment Theory and Child Rearing Practices)

इकाई**7.** विकासात्मक विकृति की जाँच एवं निर्धारण, अधिगम विकृति एवं वाणी विकृति
(Screening and Assessment for Developmental Disorders, Learning Disorder and Speech Disorder)

खण्ड 3:किशोरावस्था में विकास(Development during Adolescence)

इकाई**8.**किशोरावस्था की विशेषताएँ, किशोरावस्था में शारीरिक विकास एवं समायोजन (Characteristics of, Physical Development and Adjustment in Adolescence)

इकाई**9.**किशोरावस्था के दौरान सामाजिक बदलाव- पहचान, आत्म-संप्रत्यय एवं आत्म-सम्मान (Social Changes during Adolescence- Identity, Self Concept and Self-Esteem)

इकाई**10.**यौन-रुचि एवं व्यवहार,परिवार एवं साथी-समूह के साथ संबंध (Sex-Interest and Behavior, Relationships with Family and Peer group)

Suggested Reading:

1. Santrock, J.W. (1999) .Life Span Development: New York: Mc Graw Hill.
2. Carolk.Sigelman, Elizabeth A.Rider. Life-Span Human Development.
3. Elizabeth B. Hurlock (2011).Developmental Psychology- A Life-Span Approach. 5th edition.
4. Barbara M.Newman, Philip R.Newman. Development through Life. A Psychological Approach.
5. Robert V.Kail, John C.Cavanaugh. Human development, A life-Span view,fifth Edition.
6. William J.Hoyer, John M.Rybash, Paul Roodin. Adult development and aging. McGraw-Hill.

निर्देशन एवं परामर्श का परिचय (Introduction of guidance and Counseling)
एमएपीएसवाई-604(MAPSY-604)

खण्ड 1: निर्देशन एवं परामर्श का परिचय (Introduction to Guidance and Counseling)

इकाई**1.**निर्देशन: संप्रत्यय, सिद्धान्त, मान्यताएँ, मुद्दे एवं समस्याएँ, निर्देशन की आवश्यकता, कार्य-क्षेत्र एवं महत्व, निर्देशन के प्रकार (Guidance: Concept, Principles, Assumptions, Issues and Problems; Need, Scope and Significance of Guidance, Types of Guidance)

इकाई**2.**निर्देशन एवं परामर्श में परामर्शदाता की भूमिका और एक अच्छे परामर्शदाता की विशेषताएँ (Role of Counselors in Guidance & Counseling and Characteristics of a Good Counselor)

इकाई**3.**परामर्श के सैद्धांतिक दृष्टिकोण, निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम की तर्कसंगता एवं उद्देश्य (Theoretical Approaches of Counseling, Rationalization and Purpose of Guidance & Counseling Programme)

इकाई**4.**परामर्श में नैतिकता (Ethics in Counseling)

खण्ड 2: परामर्श के प्रकार (Types of Counseling)

इकाई**5.** निर्देशित, गैर निर्देशित एवं चयनात्मक (सारग्राही) परामर्श; बाल संरक्षण और बाल अधिकार परामर्श (Directive, Non-directive and Eclectic Counseling; Child Protection and Child right Counseling)

इकाई**6.** परामर्श:- समाधान-केंद्रित, एकीकृत, एच आई वी /एड्स और लत/चिंता (Counseling:- Solution-focused, Integrated, HIV/AIDS and Addiction/Anxiety)

इकाई**7**. अवसाद, व्यक्तित्व और लिंग पहचान विकृति के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार संशोधन (तनाव संरोपण, आत्म-अनुदेशात्मक, आत्म प्रबंधन, समस्या समाधान) (Cognitive Behavior Modification (Stress Inoculation, Self-Instructional, Self-management, Problem Solving) for Depression, Personality and Gender Identity Disorder)

Suggested Reading:

1. चौहान, विजयलक्ष्मी एवं जैन, कल्पना (2014), निर्देशन एवम परामर्श, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर.
2. राय, अमरनाथ एवं अस्थाना, मधु (2012), आधुनिक परामर्शन मनोविज्ञान मोतीलाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली,
3. अस्थाना, निधि एवं अस्थाना, विपिन (2013-14), निर्देशन और उपबोधन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा
4. Bhatnagar A.B. (2004) "Educational and mental measurement, R. Lall, Book Depot, Meerut.
5. Bhatnagar R.P. (1977) "Guidance and counseling in Education and psychology R. Lall Book Depot, Meerut
6. Chouhan, SS (2004) Principles &Techniques of Guidance, New Delhi –Vikas publishing Houses Pvt. Ltd.

शीलगुण एवंव्यक्तित्व का मूल्यांकन(Traits and Assessment of Personality)
एमएपीएसवाई-605(MAPSY-605)

खण्ड 1 : व्यक्तित्व सिद्धान्त II (Theories of Personality II)

इकाई**1.**व्यक्तित्व के प्रकार एवं शीलगुण सिद्धान्त; प्रकार एवं शीलगुण में अन्तर, व्यक्तित्व के लिए शीलगुण दृष्टिकोण (Trait and Type Theory of personality; Differences between Trait and Type, State/traitApproaches to Personality)

इकाई**2**. ऑलपोर्ट का शीलगुण सिद्धान्त, व्यक्तित्व का टाइप A एवं टाइप B सिद्धान्त, व्यक्तित्व के शीलगुण सिद्धान्त (Allport's Trait Theory of Personality, Type A and B Personality Theory, Trait Theory of Personality)

इकाई 3. आइसेंक व्यक्तित्व सिद्धान्त एवं व्यक्तित्व के पाँच बड़े सिद्धान्त (Eysenck Personality Theory and Big Five Theory of Personality)

खण्ड 2 : व्यक्तित्व का मूल्यांकन (Assessment of personality)

इकाई**4 .**व्यक्तित्व मूल्यांकन के उपागम (आत्म-विवरण, प्रक्षेपी एवं व्यवहार मूल्यांकन) और इनकी प्रतिक्रियाओं की समस्या (Approaches of Personality Assessment (Self-Report, Projective and Behavioral Assessment and there Problems of response)

इकाई**5 .**व्यवहार मूल्यांकन और व्यक्तित्व के अन्य माप (क्यु-सार्ट प्रविधि, एमएमपीआई,16 पी.एफ.) (Behavioral Assessment and Other Measures of Personality (Q-Sort Techniques, MMPI, 16P.f.

इकाई**6 .** उपनिषद, अभिधर्मा एवम सांख्य में व्यक्तित्व की व्याख्या (Explanation of Personality in Upanishad, Abhi-dharma and the Sankhya)

इकाई 7 . योगा एवम प्राणायाम द्वारा व्यक्तित्व का विकास: Development of Personality through Yoga (Asana and Pranayam)

इकाई**8 .** मनोस्नायु व्यायाम: अर्थ, प्रकार, विकास एवं प्रक्रिया; स्मृति वर्धन हेतु मनोस्नायु व्यायाम (Psychoneurobics: Meaning, type, development and process; Psycho neurobics for Memory enhancement)

Suggested Reading:

1.आधुनिक असामान्य मनोविज्ञान आर एन सिंह, अंजुम कुरेशी, शोभा भारद्वाज, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा

2.सिंह, अरुण कुमार, व्यक्तित्व का मनोविज्ञान मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली,

3.Allport, G.W. : Personality; Psychological Interpretation, New York, Henary Hall, 1937

4.Sheldon J. Korchin (2004). Modern clinical Psychology, Principles and Intervention in the clinic and community. CBS Publishers and Distributors Pvt. Ltd.

नैदानिक मनोविज्ञान: मनोचिकित्सकीय हस्तक्षेप(Clinical Psychology: Psychotherapeutic Intervention)
एमएपीएसवाई-606(MAPSY-606)

खण्ड 1 : संज्ञानात्मक विकृतियाँ एवं चिकित्सा(Cognitive Disorders and Therapy)

इकाई**1.** संज्ञानात्मक विकृति (स्मृतिलोप, उन्माद एवं मनोभ्रंश) के स्वरूप; अल्ज़ाइमर के प्रकार, मनोभ्रंश, अन्य मेडिकल अवस्थाओं से उत्पन्न मनोभ्रंश (Nature of Cognitive Disorder (Amnesia, Delirium and Dementia); Dementia of the Alzheimer's Type and Other Medical Conditions Causes of Dementia)

इकाई**2.** मानवतावादी– अनुभवात्मक और फ्रायडियन मनोविश्लेषण चिकित्सा एवं इनके लक्ष्य; अहं-विश्लेषक, वस्तु– संबंध और अन्तर्वैयक्तिक मनोगत्यात्मक चिकित्सा (Humanistic-Experiential and Freudian Psychoanalytic Therapy and its Goals; Ego Analytic, Object-Relation and Interpersonal Psychodynamic Therapy)

इकाई**3.** सामूहिक चिकित्सा : अर्थ, प्रक्रिया, उपागम एवं मूल्यांकन; परिवारिक चिकित्सा : अर्थ, लक्ष्य, प्रकार, समस्याएँ एवं मूल्यांकन(Group Therapy: Meaning, Process, Approaches and Evaluation; Family Therapy: Meaning, Goals, Types, Problems and Evaluation)

खण्ड 2 : नैदानिक हस्तक्षेप(Clinical Intervention)

इकाई**4.** नैदानिक हस्तक्षेप:- अर्थ, लक्ष्य एवं प्रकार; सहायता प्रक्रिया:-एक व्यक्ति और व्यावसायिक के रूप में नैदानिक मनोवैज्ञानिक, एक चिकित्सक के कौशल: सुनना, नेतृत्व एवं सामना (Clinical Intervention:- Meaning, Goals and Types; Helping process: Clinical Psychologist as a Person and Professional; Skills of a Therapist- Listening, Leading and Confront)

इकाई**5.** चिकित्सक द्वारा मुद्दों का सामना करना, सीखने की सीमाएं : स्थानांतरण एवं प्रति-स्थानांतरण, यथार्थवादी लक्ष्यों की स्थापना करना, भिड़त समूह चिकित्सा: प्रकार एवं प्रभावशीलता (Issues faced by Therapist, Learning the limits of Transference and Counter Transference, Establishing Realistic Goals, Encounter Group therapy: Types and Effectiveness)

इकाई**6.** हस्तक्षेप:- मनो-अभिनय, योग एवं ध्यान, कूटभेषज,जैविक प्रतिपुष्टि, स्वीकारात्मक प्रशिक्षण, दृढ ग्राही चिकित्सा (Intervention: Psychodrama, Yoga &Meditation, Placebo Effect. Biofeedback, Assertion Training, Self Instructional Training)

इकाई**7** विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षण के नैदानिक मूल्य: बिने, डब्ल्यूएआईएस, एमएमपीआई(Diagnostic value of different Psychological Test: Binet, WAIS, MMPI)

Suggested Reading:

1. Goldenberg, H. (1983). Contemporary clinical psychology (2nd Ed.) New York: Brooks & Cole.
2. Morrison, J. (2007). Diagnosis made easier. NY: Guilford Press.
3. Neitzel, M. T., Bernstein, D. A., &Millich, R. (1998). Introduction to clinical psychology. (5th Ed.). Upper Saddle River, N. J.: Prentice Hall.
4. Pridmore, S. (2000). The psychiatric interview: A guide to history taking and mental status examination. Amesterdam: Taylor & Francis.
5. Trull, T. J. &Prinstein, M.J. (2013). Clinical Psychology (8th Ed.). Wadswoth, Cengage Learning.

विकासात्मक मनोविज्ञान : पूर्व युवावस्थासे वृद्धावस्था(Developmental psychology: Early Adulthood to Old Age) एमएपीएसवाई-607(MAPSY-607)

खण्ड 1: पूर्व युवावस्था के दौरान विकास (Development during Early Adulthood)

इकाई**1.**पूर्व युवावस्था की विशेषताएं एवं विकास कार्य (व्यक्तित्व एवं सामाजिक) (Characteristics and Developmental Task (Personality and Social) of early Adulthood,)

इकाई**2**.युवावस्था में रुचि में परिवर्तन और व्यक्तिगत एवं सामाजिक उलझनें (Change in interest and Personal and Social Conflicts in Adulthood)

इकाई**3**. व्यावसायिक, पारिवारिक,वैवाहिक एवं पितृत्वया मातृत्व हेतु समायोजन; वैवाहिक जीवन में समायोजन का मूल्यांकन (Vocational, Family, Marital and for Parenthood Adjustment; Assessment of Marital Adjustment)

खण्ड 2: मध्यम आयु और वृद्धावस्था के दौरान विकास(Development During Middle Age and Old Age)

इकाई 4.मध्यावस्था एवं वृद्धावस्था:विशेषताएँ,शारीरिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक परिवर्तन(Middle Age and Old Age:Characteristics, Physical, Psychological and Social Changes)

इकाई**5.**मध्यावस्था (व्यावसायिक) और वृद्धावस्था (सेवानिवृत्ति और पारिवारिक) के दौरान समायोजन (Adjustment during Middle age(Occupational) and Old age(to Retirement and Family life)

इकाई**6.**युवावस्था, मध्यावस्था एवं वृद्धावस्था के सम्बन्ध में इरिक्सन की संकल्पना; सफल वृद्धावस्था के संप्रत्यय एवं मृत्यु और मरण के प्रति अभिवृत्ति; वृद्धाश्रमों का योगदान एवं भूमिका(Erikson's Concept regarding Adulthood, Middle Age and Old age, Concept and Attitude towards Successful Aging, Death and Dying; Role and Contribution of 'Old Age Homes')

Block 3. मानव विकास के अध्ययन की विधियां (Methods of studying human development)

इकाई 7. मानव विकास का अध्ययन की विधियां: अनुदैर्ध्य, क्रॉस-अनुभागीय और अनुक्रमिक अनुसंधान दृष्टिकोण; विकासात्मक अध्ययन में पद्धतिगत मुद्दे (Methods of studying human development: Longitudinal, Cross-sectional and Sequential Research Approaches; Methodological issues in developmental studies)

इकाई 8. भारत में विकासात्मक मनोविज्ञान एवम विकास पर संस्कृति का प्रभाव (Developmental psychology in India, Impact of Culture on Development)

इकाई 9. भारतीय संदर्भ में बाल विकास पर उभरते मुद्दे: बाल शोषण, मीडिया प्रभाव, विविध पारिवारिक संदर्भों में पालन-पोषण की प्रथा (Emerging issues on child development in the Indian context: Child abuse, Media impact, Parenting practices in diverse family context)

Suggested Reading:

1. Santrock, J.W. (1999) .Life Span Development: New York: Mc Graw Hill.
2. Carolk.Sigelman, Elizabeth A.Rider. Life-Span Human Dev
3. elopment.
4. Elizabeth B. Hurlock (2011).Developmental Psychology- A Life-Span Approach. 5th edition.

निर्देशन एंव परामर्श:हस्तक्षेप एवं मूल्यांकन (एमएपीएसवाई-608)

Guidance and Counseling: Intervention and Assessment (निर्देशन एवं परामर्श : हस्तक्षेप और मूल्यांकन)

MAPSY-608 (ऍम.ए.पी.एस.वाई- 608)

खण्ड 1: परामर्श : मॉडल एवं दृष्टिकोण (Counseling: Models and Approaches)

इकाई**1.** मनोविश्लेषण, मनोगत्यात्मकता, मन: चिकित्सा (Psychoanalysis, Psychodynamics, Psychotherapy)

इकाई**2.**व्यवहार व संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा और परामर्श हेतु दृष्टिकोण (Behavioral and Cognitive Behavior Therapy, Approaches to Counseling)

इकाई**3.**परामर्श में नाटक, कला एवं अन्य चिकित्सा (व्यक्ति और समाधान केंद्रित परामर्श) (Drama, Art and other Therapy (Person and Solution Centered) in Counseling:-)

खण्ड 2: परामर्श में हस्तक्षेप एवं मूल्यांकन (Intervention and Assessment in Counseling)

इकाई**4.**परामर्श के उद्देश्य, परिवार और समूह परामर्श; एक परामर्शदाता के रूप में शिक्षक (Aim of Counseling, Family and Group counseling, Teacher as a Counselor)

इकाई**5.**साक्षात्कार, व्यक्तिवृत विधि, परीक्षण (Interview, Case History, Testing)

इकाई**6 .**मूल्यांकन एवं परामर्श के लिए संज्ञानात्मक, व्यक्ति-केंद्रित एवं वर्णनात्मक दृष्टिकोण (Cognitive, Person-Centered and Narrative Approaches to Assessment and Counseling)

खण्ड 3: परामर्श और मार्गदर्शन का आयोजन और भविष्य के दिशा-निर्देश (Organizing Guidance & Counseling and future guidelines)

इकाई**7.**निर्देशन एंव परामर्श कार्यक्रम:- उद्देश्य, आयोजन और विकास (Guidance & Counseling Programme:- Purpose, Organization and Development)

इकाई**8.**निर्देशन एवं परामर्श कार्यक्रम का मूल्यांकन (Evaluation of Guidance & Counseling Programme)

इकाई**9.**परामर्श के लिए शिक्षण एवं प्रशिक्षण, भविष्य में शोध हेतु दिशा-निर्देश (Teaching and Training for Counseling, Guidelines for future research)

Suggested Reading:

1. चौहान, विजयलक्ष्मी एवं जैन, कल्पना (2014), निर्देशन एवम परामर्श, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर.
2. राय, अमरनाथ एवं अस्थाना, मधु (2012), आधुनिक परामर्शन मनोविज्ञान मोतीलाल बनारसी दास पब्लिशर्स, नई दिल्ली,
3. अस्थाना, निधि एवं अस्थाना, विपिन (2013-14), निर्देशन और उपबोधन, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा
4. Bhatnagar A.B. (2004) "Educational and mental measurement, R. Lall, Book Depot, Meerut.

प्रयोगात्मक कार्य (Practical work)

एमएपीएसवाई-609(MAPSY-609)

निम्नलिखित में से कोई भी सात (परीक्षण/ प्रयोग) प्रत्येक छात्र द्वारा संचालित / प्रशासित किए जाने हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा में प्रत्येक छात्र को एक परीक्षण और एक प्रयोग दिया जाएगा। मूल्यांकन रिपोर्ट, प्रदर्शन और मौखिकी पर आधारित होगा तथा बाहरी और आंतरिक परीक्षक द्वारा अंक संयुक्त रूप से प्रदान किए जाएंगे।

Group-A (Test)

1. Projective tests: TAT (Thematic Apperception Test), Sentence Completion Test (SCT), Word Association Test (WAT)
2. Personality Testing: Eysenck Personality Questionnaire, Eysenck Maudsley Personality Inventory, Type A and Type B behavioural pattern
3. Personality Inventories: 16 P.F.Questionnaire, Porter and Cattell Children's Personality Questionnaire (CPQ)
4. Intelligence Scale: WAIS (Wechsler Adult Intelligence Scale), Emotional Intelligence Inventory (EII), J.C. Raven's Advanced Progressive Matrices
5. Span of Attention Test
6. Five-dimensional Religiosity Scale (Joshi and Joshi
7. Educational Interest Inventory

समूह-ए (परीक्षण)

1.प्रक्षेपण परीक्षण: टी ए टी (कथानक संप्रत्यक्षण परीक्षण), वाक्य पूर्ति परीक्षण, शब्द साहचर्य परीक्षण

2. व्यक्तित्व परीक्षण: आइजेंक व्यक्तित्व प्रश्नावली, आइजेंक माड्सले व्यक्तित्व अनुसूची, टाइप ए और टाइप बी व्यवहार प्रतिमान

3. व्यक्तित्व अनुसूची: 16: पी. एफ सोलह व्यक्तित्व कारक)
प्रश्नावली, पोर्टर एवम कैटल की सीपीक्यू चिल्ड्रेन'स पर्सनैलिटी क्वैश्चनैर

4. बुद्धि मापनी: डब्ल्यू ए आई एस (वैश्लर वयस्क बुद्धि परीक्षण) ई आई आई) संवेगात्मक बुद्धि मापनी ,जे. सी. रेवन'स एडवांस प्रोग्रेसिव मैट्रिक

5. अवधान का विस्तार

6आयामी धार्मिकता मापनी (जोशी एवं जोशी)

7. शैक्षिक रूचि अनुसूची

Group-B (Experiment)

1. Learning experiments (Mirror drawing), Paired associative learning, Transfer of learning
2. Problem Solving
3. Psychophysical methods (any one)
4. Motivation and Performance
5. Division of Attention
6. Multiple choice problems
7. Effect of Knowledge of results

समूह-बी (प्रयोग)

1. अधिगम परीक्षण (दर्पण आलेख, युग्मित साहचर्य अधिगम, सीखने में स्थानांतरण

2. समस्या समाधान

3. मनोभौतिकी विधियाँ (कोई एक

4. प्रेरणा एवं निष्पादन,

5. ध्यान का विभाजन

5 बहु विकल्पी समस्याएं

6. परिणाम के ज्ञान का प्रभाव

प्रवेश, पाठ्यक्रम आदान-प्रदान और मूल्यांकन की प्रक्रिया(Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation)-मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर स्तर पर वर्ष में दो बार(ग्रीष्म और शीत सत्र में) प्रवेश की प्रक्रियाहै। स्नातकोत्तर में प्रवेश के लिए स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर में और द्वितीय सेमेस्टर में रू0 4550 , तृतीय सेमेस्टर में और चतुर्थ सेमेस्टर में शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिए शुल्क मांफी का प्रावधान है। प्रवेश, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन हेतु विभिन्न वैब-टूल्स का प्रयोग किया जाता है। शिक्षार्थी के मूल्यांकन हेतु अकादमिक सत्र के दौरान सत्रीय-कार्य और वार्षिक परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।

प्रयोगात्मक परीक्षा का मूल्यांकन निम्नवत होगा -

एक प्रयोग /परीक्षणएवं वाइवा	70
आंतरिक मूल्यांकन (कार्यशाला/ फाइल आदि)	30
कुल अंक	100

लिखित परीक्षा का मूल्यांकन निम्नवत होगा -

मुख्य परीक्षा	70
असाइनमेंट	30
कुल अंक	100

प्रयोगशाला और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता(Requirement of the laboratory support and Library Resources)-विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षार्थियों के लिए के लिए पुस्तकालय की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थी सन्दर्भ पुस्तकों का अध्ययन करते हैं।इसके साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्ययन-केन्द्र में भी पुस्तकालय की उपलब्धता है। प्रयोगात्मक कार्य हेतु विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों पर वर्ष में एक बार 6 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाता है जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रथम एवम द्वितीय वर्ष मनोविज्ञान के प्रयोगों पर व्याख्यान दिया जाते हैं तथा शिक्षार्थियों को प्रयोग को प्रशासित करना सिखाया जाता है साथ ही प्रयोगात्मक कार्य की फाइल तैयार करवाई जाती है।

कार्यक्रम की अनुमानित लागत और प्रावधान(Costestimate of the programme and the provisions)-मनोविज्ञान विषय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत इकाई निर्माण के लेखन, सम्पादन और मुद्रण हेतु लगभग 18 लाख रूपये की धनराशि प्रयोग में लाई गयी है।

गुणवत्ता नीति-तंत्र और कार्यक्रम के संभावित परिणाम(Quality assurance mechanism and expected programme outcomes) मनोविज्ञान के विभिन्न प्रत्ययों एवम साहित्य के आलोचनात्मक चिंतन व विश्लेषण करने की क्षमता का विकास होगा। स्थानीय, राष्ट्रीय स्तर पर समुदायिकता का निर्माण करने वाले मूल्यों

का विकास होगा एवम पारस्परिक सम्बंध बनाने और उन्हें उन्नत करने की क्षमता का विकास होगा | व्यवसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये मनोवैज्ञानिक सामग्री एवम कौशल लागू करने की क्षमता का विकास होगा।